भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 799

जिसका उत्तर 24.07.2025 को दिया जाना है

पुणे में लोहे के पुल का ढहना

†799. डॉ. बच्छाव शोभा दिनेश:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को पुणे में इंद्रायणी नदी पर बने लोहे के पुल के हाल ही में ढहने की घटना की जानकारी है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने पुल ढहने के कारण का पता लगाने के लिए कोई कार्रवाई शुरू की है और यदि हाँ, तो जाँच के निष्कर्षों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या पुल की संरचनात्मक सुदृढ़ता का आकलन करने के लिए कोई पूर्व निरीक्षण किया गया था और यदि हाँ, तो समय-सीमा और आवृत्ति सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई शुरू की है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार ने पुल के परिवहन महत्व को ध्यान में रखते हुए समय पर पुल को पुनः बनाने के लिए कार्रवाई की है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) नए पुल के निर्माण और रखरखाव के लिए निविदा आवंटन प्रक्रिया का ब्यौरा क्या है; और

(छ) क्या सरकार ने भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम सुनिश्चित करने के लिए कोई ठोस नीतियाँ बनाई हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (छ) सरकार का सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय मुख्यतया राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के विकास और रखरखाव से संबंधित है। हाल ही में, पुणे की इंद्रायणी नदी पर लोहे के पुल का ढह जाना एक राज्यीय सड़क पर हुआ है, जिसका विकास और रखरखाव महाराष्ट्र राज्य सरकार की जिम्मेदारी है।

राज्य लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा प्रस्तुत विवरण के अनुसार, पुणे में इंद्रायणी नदी पर लोहे का पुल लगभग 34 साल पुराना था और उक्त पुल के निर्माण के बाद, पैदल यात्री और कुछ हद तक दोपहिया वाहन चल रहे थे। ग्राम पंचायत ने नोटिस बोर्ड लगाए थे कि पुल खतरनाक स्थिति में है और इसका उपयोग नहीं करना है। राज्य पीडब्ल्यूडी की जांच रिपोर्ट के अनुसार, ओवरलोडिंग के कारण इस पुल के ढहने से दुर्घटना हुई थी। राज्य सरकार से नए पुल के निर्माण हेतु प्रस्ताव का कोई विवरण प्राप्त नहीं हुआ है।

*****